



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 221]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 23, 2017/भाद्र 1, 1939

No. 221]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 23, 2017/BHADRA 1, 1939

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 2017

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “बेल्टिंग फेब्रिक” के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच

सं. 14/35/2016-डीजीएडी.—एसआरएफ लिमिटेड (जिसे आगे आवेदक भी कहा गया है) ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष बेल्टिंग फेब्रिक (जिसे आगे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरूआत करने और पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया है। संबंधित देश चीन जन. गण. है जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है।

2. और यतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी जांच की शुरूआत को न्यायोचित ठहराने के लिए संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को हुई “क्षति” तथा कथित पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं। प्राधिकारी एतद्वारा नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन और घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति की जांच की शुरूआत करते हैं ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई ‘क्षति’ को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति

3. यह याचिका एसआरएफ लिमिटेड द्वारा दायर की गई है। ऐसे अन्य उत्पादक भी हैं जिनके नाम याचिकाकर्ता द्वारा याचिका में उपलब्ध कराए गए हैं। याचिकाकर्ता कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित नहीं है। याचिकाकर्ता ने चीन से पाटित वस्तु का आयात नहीं किया है। मामले के तथ्य स्पष्ट रूप से सिद्ध करते हैं कि याचिकाकर्ता को नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर पात्र घरेलू उद्योग माना जाना चाहिए।

4. अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अनुसार पात्र घरेलू उद्योग हैं और संबंधित नियमावली के नियम 5 (3) के अनुसार योग्यता संबंधी मापदंडों को पूरा करता है।

विचाराधीन उत्पाद

क. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद 'बेल्टिंग फेब्रिक' है। रबराइज्ड टैक्सटाइल फेब्रिक (आरटीएफ) तकनीकी वस्त्र फेब्रिक है जिसका भार 1500 ग्राम वर्ग मीटर (जीएसएम) से कम होता है या

ख. 1500 जीएसएम से > है, और इसमें वस्त्र सामग्री भार के अनुसार 50 प्रतिशत से अधिक होता है।

5. बेल्टिंग फेब्रिक आम तौर पर या तो नायलान या पालिस्टेर या इन दोनों के संयोग से बनता है। यह रबराइज्ड टैक्सटाइल फेब्रिक (आरटीएफ) या कनवेयर बेल्ट फेब्रिक (सीबीएफ) विभिन्न औद्योगिक यार्न जैसे नायलान 6 (एन6), नायलान 66 (एन66) और पालिस्टेर औद्योगिक यार्न (पीआईवाई) से उत्पादित किया जाता है। इसे या तो ग्रे फेब्रिक या डिप्ड फेब्रिक के रूप में उत्पादित किया और बेचा जा रहा है। ग्रे फेब्रिक के मामले में, उपभोक्ता उत्पाद की खपत से पहले फेब्रिक की इनहाउस डिपिंग करता है।

6. बेल्टिंग फेब्रिक को विभिन्न डेनियर के नायलान और पालिस्टेर यार्न के विभिन्न संयोगों का प्रयोग करके कच्ची सामग्री और निर्माण के अनेक संयोगों में उत्पादित किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद एक बुना हुआ फेब्रिक है जिसके लंबाई-वार फेब्रिक 'वार्प' और चौड़ाई-वार फेब्रिक 'वेफ्ट' कहे जाते हैं। विचाराधीन उत्पाद कनवेयर बेल्ट के विनिर्माण के लिए रीइनफोर्समेंट सामग्री है। प्रमुख खाने और/या उद्योग जो कनवेयर बेल्ट का प्रयोग करते हैं, कोयला, इस्पात, सीमेंट, विद्युत आदि के क्षेत्र में हैं।

7. आवेदक ने प्रस्ताव किया है कि खपत की गई कच्ची सामग्री और किसी कनवेयर बेल्ट में परिणामी अंतिम प्रयोग की अपेक्षा के आधार पर विभिन्न यार्न किस्मों का प्रयोग विभिन्न संयोगों में किया जाता है। तदनुसार, विचाराधीन उत्पाद को इन उत्पाद किस्मों में वर्गीकृत किया गया है :

बेल्ट फेब्रिक किस्म (कोड)	यार्न की किस्म	
	वार्प	वेफ्ट
क. एनएन (नायलान 6 और नायलान 6)	एन6	एन6
ख. ईपी (पालिस्टेर औद्योगिक यार्न और नायलान 66)	पीआईवाई	एन66
ग. ईई (पालिस्टेर औद्योगिक यार्न और पालिस्टेर औद्योगिक यार्न)	पीआईवाई	पीआईवाई
घ. पीपी (नायलान 66 और नायलान 66)	एन66	एन66

8. प्राधिकारी ने वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ इन उत्पाद किस्मों पर विचार किया है।

9. विचाराधीन उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 59 के अधीन वर्गीकृत किया जाता है। उक्त वर्गीकरण केवल सांकेतिक है।

समान वस्तु

10. आवेदकों ने दावा किया है कि संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु

भौतिक और रसायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग करते हैं। आवेदकों ने यह भी दावा किया है कि ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इसलिए नियमावली के अंतर्गत इन्हें 'समान वस्तु' माना जाना चाहिए। अतः प्राधिकारी वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ भारत में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को संबद्ध देश से आयातित की जा रही संबद्ध वस्तु के 'समान वस्तु' मानते हैं।

शामिल देश

11. वर्तमान जाँच चीन जन. गण. (संबद्ध देश) से बेल्टिंग फेब्रिक/कनवेयर बेल्टिंग फेब्रिक के कथित पाटन से संबंधित है।

सामान्य मूल्य

गैर बाजार अर्थव्यवस्था (चीन जन. गण.)

12. आवेदक ने दावा किया है कि चीन जन. गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए और चीन जन. गण. के लिए नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार सामान्य मूल्य निर्धारित किया जाना चाहिए। आवेदकों ने भारत में उत्पादन लागत को विधिवत रूप से समायोजित करके चीन जन. गण. में सामान्य मूल्य का दावा किया है। नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 के अनुसार यह माना जाता है कि चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तु के उत्पादक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के अधीन कार्य कर रहे हैं। उक्त गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की मान्यता और चीन जन. गण. में प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा उसके खंडन के अधीन चीन जन. गण. के लिए संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य का अनुमान नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार किया गया है।

निर्यात कीमत

13. आवेदक द्वारा डीजीसीआईएंडएस स्रोत से प्राप्त सौदा-वार आयात आंकड़ों के आधार पर कारखाना-द्वार निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, अंतरदेशीय भाड़े और पत्तन व्यय के लिए साक्ष्य और समायोजन के आधार उपलब्ध कराए गए हैं।

पाटन मार्जिन

14. सामान्य मूल्य की तुलना कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत के साथ की गई है जो संबद्ध देश द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु के संबंध में भारी पाटन मार्जिन दर्शाती है।

क्षति और कारणात्मक संबंध

15. याचिकाकर्ता द्वारा समग्र रूप से और भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में आयातों की बड़ी हुई मात्रा, कीमत ह्रास, कम कीमत पर बिक्री और घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, नियोजित पूंजी पर आय और नकद प्रवाह पर प्रतिकूल प्रभाव के परिणाम के रूप में कथित पाटन के परिणामस्वरूप क्षति के होने के संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। संबद्ध देशों से कथित पाटन आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा उठाई जा रही क्षति के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं जो पाटनरोधी जाँच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराते हैं।

जाँच अवधि (पीओआई)

16. आवेदक ने जाँच अवधि के रूप में 1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 की जाँच अवधि का प्रस्ताव किया है। क्षति जाँच अवधि में 2013 - 2014, 2014-2015, 2015-16 और जाँच अवधि शामिल होगी।

सूचना प्रस्तुत करना

17. संबद्ध देशों में ज्ञात निर्यातकों, भारत में स्थित उनके दूतावासों के जरिए संबद्ध देशों की सरकारों, उत्पाद से संबंधित समझे जाने वाले भारत में ज्ञात आयातकों व प्रयोक्ताओं को निर्धारित प्रपत्र में एवं ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करने तथा प्राधिकारी को अपने विचारों से निम्नलिखित पते पर अवगत कराने के लिए अलग से सूचित किया जा रहा है:-

**निर्दिष्ट प्राधिकारी
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग
चौथा तल ,जीवन तारा बिल्डिंग, 5 संसद मार्ग,
नई दिल्ली- 110001**

18. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी जांच से संगत सूचना नीचे दी गई समय सीमा के भीतर निर्धारित ढंग और पद्धति से प्रस्तुत कर सकता है।

समय-सीमा

19. वर्तमान जाँच से संबंधित कोई सूचना और सुनवाई के लिए कोई अनुरोध इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों (40 दिनों) के भीतर उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास लिखित में भेजी जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अधूरी होती है, तो प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

20. सभी हितबद्ध पक्षकारों को एतद्वारा सलाह दी जाती है कि वे इस जांच की शुरुआत की तारीख से 40 दिनों के भीतर वर्तमान मामले में अपने हित (हित के स्वरूप सहित) की सूचना दें और प्रश्नावली के अपने उत्तर दायर करें तथा पाटनरोधी उपाय जारी रखने की जरूरत अथवा अन्यथा के बारे में घरेलू उद्योग के आवेदन पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करें।

अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

21. यदि प्रश्नावली के उत्तर/अनुरोधों के किसी भाग के संबंध में "गोपनीयता" का दावा किया जाता है तो ऐसे मामले में निम्नानुसार दो अलग-अलग सैट (क) गोपनीय रूप से अंकित एक सैट (शीर्षक ,सूची ,पृष्ठ संख्या आदि); और (ख). अगोपनीय रूप में अंतिम दूसरा सैट (शीर्षक ,सूची ,पृष्ठ संख्या आदि) प्रस्तुत करना होगा। दी गई समस्त सूचना पर स्पष्ट रूप से प्रत्येक पृष्ठ पर "गोपनीय" या "अगोपनीय" अंकित होना चाहिए।

22. किसी गोपनीय अंकन के बिना प्रस्तुत सूचना को प्राधिकारी द्वारा अगोपनीय माना जाएगा और प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसी अगोपनीय सूचना का निरीक्षण करने की अनुमति देने के लिए स्वतंत्र होंगे। सभी हितबद्ध पक्षों द्वारा गोपनीय पाठ की दो (2) प्रतियां और अगोपनीय पाठ की पाँच (5) प्रतियां प्रस्तुत करना जरूरी होगा।

23. गोपनीय होने का दावा की गई सूचना के लिए में सूचना प्रदाता को प्रदत्त सूचना के साथ ऐसे कारणों का विवरण प्रस्तुत करना होगा कि उस सूचना का प्रकटन क्यों नहीं किया जा सकता है और/या ऐसी सूचना का सारांशकरण क्यों संभव नहीं है।

24. अगोपनीय रूपांतरण को उस सूचना ,जिसके बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है ,पर निर्भर रहते हुए अधिमानतः सूचीबद्ध /रिक्त छोड़ी गई और सारांशीकृत गोपनीय सूचना के साथ गोपनीय रूपांतरण की अनुकृति होना अपेक्षित है। अगोपनीय सारांश पर्याप्त विस्तृत होना चाहिए ताकि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की विषय वस्तु को समुचित ढंग से समझा जा सके। तथापि, आपवादिक परिस्थितियों में गोपनीय सूचना प्रदाता

पक्षकार यह इंगित कर सकते हैं कि ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है और प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार इस आशय के कारणों का एक विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए कि सारांश क्यों संभव नहीं है।

25. प्रस्तुत सूचना के स्वरूप की जांच करने के बाद प्राधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। यदि प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने या सामान्य रूप में अथवा सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का अनिच्छुक है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।

26. सार्थक अगोपनीय रूपांतरण के बिना या गोपनीयता के दावे के बारे में यथोचित कारण के विवरण के बिना किए गए किसी अनुरोध को प्राधिकारी द्वारा रिकॉर्ड में नहीं लिया जाएगा। प्रदत्त सूचना की गोपनीयता की जरूरत से संतुष्ट होने और उसे स्वीकार कर लेने के बाद प्राधिकारी ऐसी सूचना के प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी पक्षकार को उसका प्रकटन नहीं करेंगे।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

27. नियम 6 (7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण रखे गए हैं।

असहयोग

28. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी ऐसे पक्षकार को असहयोगी घोषित कर सकते हैं और अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

डा. इन्द्रजीत सिंह, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd August, 2017

Subject: **Anti-Dumping investigation concerning imports of “Belting Fabric” originating in or exported from People’s Republic of China.**

No. 14/35/2016-DGAD.—SRF Limited (hereinafter referred to as the applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) for initiation of anti-dumping investigation and imposition of anti-dumping duty concerning imports of Belting Fabric (also referred to as Subject goods). The Countries concerned is People’s Republic of China also referred to as the Subject Country.

- And whereas, the Authority notes that sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject country, causing ‘injury’ to the domestic industry and causal link between the alleged dumping and ‘injury’ exists justifying initiation of an anti-dumping investigation. The Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of Rule 5 of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to consider recommending an amount of antidumping duty, which if levied, would be adequate to remove the ‘injury’ to the domestic industry.

Domestic Industry & Standing

- The petition has been filed by SRF Limited. There are other producers whose names have been provided by the petitioner along with their petition. The petitioner is not related to the exporters or importers of the alleged dumped article. The petitioner has not imported the dumped articles from China. The facts of the case, clearly establish that petitioner should be considered eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b).

4. The Authority holds that the petitioner constitutes an eligible domestic industry in terms of Rule 2 (b) and satisfies the criteria of standing also in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra.

Product under consideration

- a. The product under consideration in the present petition is "Belting Fabric" The Rubberized Textile Fabric (RTF) is technical textile fabric weighing less than 1500-gram square meter (GSM) Or
- b. More than 1500 GSM and contains more than 50% by weight of textile material.
5. Belting Fabric is normally made of either nylon or polyester or a combination thereof. It is a Rubberized Textile Fabric (RTF) or Conveyor Belt Fabric (CBF), produced from various industrial yarns like Nylon 6 (N6), Nylon 66 (N66) and Polyester Industrial Yarn (PIY). It is being produced and sold either as grey fabric or as dipped fabric. In case of sale of grey fabric, the consumers may do dipping of the fabric in-house before consumption of the product.
6. Belting Fabric is produced in a large combination of raw material and construction, using different combination of nylon & polyester yarn of different deniers. The product under consideration is a woven fabric having length wise threads called "WARP" and width wise threads called "WEFT". The product under consideration is reinforcement material for manufacturing of Conveyor Belts. Prominent mines and/or industries which use conveyor belts are in the fields of Coal, Steel, Cement, Power etc.
7. The applicant has proposed that based on raw material consumed and resultant end usage requirement in a Conveyor Belt, various yarn varieties are used in the various combinations. Accordingly, the product under consideration has been categorized into these product types:

Belt Fabric Types (Code)	Type of yarn	
	WARP	WEFT
a. NN(<i>Nylon 6 and Nylon 6</i>)	N6	N6
b. EP(<i>Polyester Industrial Yarn and Nylon 66</i>)	PIY	N66
c. EE(<i>Polyester Industrial Yarn and Polyester Industrial Yarn</i>)	PIY	PIY
d. PP(<i>Nylon 66 and Nylon 66</i>)	N66	N66

8. Authority has considered these product types for the purpose of the present investigations.
9. The product under consideration is classified under Chapter 59 of the Customs Tariff Act. The above classification is indicative only.

Like Article

10. The applicant has claimed that there is no known difference between the subject goods exported from the subject country and that produced by the domestic industry. Subject goods produced by the domestic industry and imported from the subject country are comparable in terms of essential product characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Consumers use the two interchangeably. The applicant has further claimed that the two are technically and commercially substitutable and, hence, should be treated as 'like article' under the Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation, the Authority treats the subject goods produced by the domestic industry in India as 'Like Article' to the subject goods being imported from the subject country.

Countries involved

11. The present investigation is in respect of alleged dumping of Belting Fabric/Conveyer Belting Fabric from China PR (subject country).

Normal Value

Non Market Economy (China PR)

12. Applicant has claimed that China PR should be treated as a non-market economy and normal value in case of China should be determined in accordance with para-7 and 8 of Annexure I of the Rules. The applicant has claimed normal value for China PR on the basis of cost of production in India, duly adjusted. In terms of Para 8 in Annexure 1 to the Rules it is presumed that the producers of the subject goods in China PR are operating

under non market economy conditions. In view of the above non-market economy presumption and subject to rebuttal of the same by the responding exporters from China PR, normal value of the subject goods in China PR has been estimated in terms of Para 7 of Annexure 1 to the Rules.

Export Price

13. The applicant has determined ex-factory export price on the basis of transaction wise import data procured from DGCI&S source and providing evidence and basis of adjustments on account of ocean freight, marine insurance, inland freight, port expenses.

Dumping Margin

14. The comparison of normal values with the ex-factory export price has been carried out, which shows a significant dumping margin in respect of the subject goods exported by the subject country.

Injury and Causal Link

15. The petitioner has furnished evidence regarding injury due to alleged dumping due to increased imports in absolute terms and relative to production and consumption in India, price depression, price underselling and adverse impact on profitability, return on capital employed, and cash flow of the domestic industry. There is sufficient prima facie evidence of the 'injury' being suffered by the domestic industry caused by alleged dumped imports from the subject countries to justify initiation of an antidumping Investigation.

Period of Investigation (POI)

16. The period of investigation proposed by the applicant is from 1st April 2016 to 31st march 2017. The injury investigation period shall cover the periods 2013-14, 2014-15, 2015-16 and period of investigation.

Submission of information

17. The known exporters in the subject countries, the Government of the subject countries through their embassies in India, the importers and users in India known to be concerned with the product are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Authority at the following address:

The Designated Authority,
Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties,
Ministry of Commerce & Industry, Department of Commerce
4th Floor, Jeevan Tara Building, 5 Parliament Street,
New Delhi -110001.

18. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

Time limit

19. Any information relating to the present investigation and any request for hearing should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 Days) from the date of publication of this Notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Anti-dumping Rules.
20. All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses and offer their comments to the domestic industry's application regarding the need to continue or otherwise the Antidumping measures within 40 days from the date of initiation of this investigation.

Submission of Information on Non-Confidential basis

21. In case confidentiality is claimed on any part of the questionnaire's response/submissions, the same must be submitted in two separate sets (a) marked as Confidential (with title, index, number of pages, etc.) and (b) other set marked as Non Confidential (with title, index, number of pages, etc.). All the information supplied must be clearly marked as either "confidential" or "non-confidential" at the top of each page.
22. Information supplied without any confidential marking shall be treated as non- confidential and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect any such non-confidential information. Two (2) copies of the confidential version and five (05) copies of the non-confidential version must be submitted by all the interested parties.
23. For information claimed as confidential; the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such Information cannot be disclosed and/or why summarization of such information is not possible.
24. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out /summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, parties submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summarization; a statement of reasons why summarization is not possible must be provided to the satisfaction of the Authority.
25. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.
26. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without a good cause statement on the confidentiality claim may not be taken on record by the Authority. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided; shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

Inspection of Public File

27. In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

Non-cooperation

28. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may declare such interested party as non-cooperative and record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

Dr.INDER JIT SINGH, Addl. Secy. & Designated Authority